



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 62]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 20, 1998/फाल्गुन 29, 1919

No. 62]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 20, 1998/PHALGUNA 29, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1998

विषय : चीन से धातुकर्मीय कोक के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष

सं. 8/2/97 ए डी डी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का मूल्यांकन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को देखते हुए :

क. क्रियाविधि—

जांच के संबंध में अधोलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है :—

- (I) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात् प्राधिकारी भी कहा जाएगा) को उपर्युक्त नियमावली के तहत मैसर्स बी. एल. ए. इंडस्ट्रीज लि. (जिसे इसके बाद बी. एल. ए. कहा जाएगा) घरेलू उद्योग की ओर से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन मूल के या वहां से निर्यात किए गए धातुकर्मीय कोक (जिसे इसके बाद धा. कोक कहा जाएगा) के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- (II) इस याचिका का समर्थन मैसर्स इंडस्ट्रीज एवं वाणिज्य संगठन, धनबाद ने सहयाचिकाकर्ता (जिसे इसके बाद आई सी ए कहा जाएगा) के रूप में किया है।
- (III) बी एल ए द्वारा दिए गए आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला था जिनमें याचिकाकर्ता ने बाद में संशोधन किया। अतः याचिका को समुचित रूप से दस्तावेजों से युक्त माना गया।
- (IV) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर चीन के धातुकर्मीय कोक के आयात के विरुद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया था। प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के विषय में चीनी दूतावास को सूचित कर दिया था।
- (V) प्राधिकारी ने 28 अगस्त, 1997 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा चीन (इसके बाद इसे सम्बद्ध देश कहा जाएगा) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित धातु कर्मीय कोक के आयातों के संबंध में प्रतिपाटन जांच शुरू की गई। धातु कर्मीय कोक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के सीमाशुल्क शीर्ष 27.04 के तहत वर्गीकृत है।

(1)

- (VI) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात सभी निर्यातक (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध करवाया गया था) और उद्योग संगठनों को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर दिया।
- (VII) प्राधिकारी ने भारत में धातुकर्मीय कोक के ज्ञात सभी आयातकों को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वे पत्र मिलने के चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराएं।
- (VIII) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से भी अनुरोध किया गया कि जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए धातु कर्मीय कोक के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें। लेकिन सी बी ई सी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई।
- (IX) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति संबद्ध देश के सभी ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावासों को भी प्रदान की। याचिका की प्रति अनुरोध करने पर अन्य इच्छुक पार्टियों को भी उपलब्ध कराई गई।
- (X) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :
- * संघाई पैसिफिक कैमिकल (ग्रुप) कं. लि. (इसके बाद संघाई पैसिफिक कहा जाएगा);
 - * चीन नेशनल कोल इंडस्ट्री इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन-संघाई पैसिफिक (इसके बाद इसे चीन नेशनल कहा जाएगा);
 - * चीन आयरन एण्ड स्टील इंडस्ट्री एण्ड ट्रेड ग्रुप कारपोरेशन (इसके बाद इसे चीन आयरन कहा जाएगा);
- अनेक पार्टियों ने समय बढ़ाने के लिए अनुरोध किया था जिसके लिए प्राधिकारी द्वारा दो सप्ताह का समय बढ़ाने की अनुमति दी गई। प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित द्वारा पेश किया गया :
- * संघाई पैसिफिक
 - * चीन नेशनल
 - * चीन मैटालर्जिकल इम्प/एक्प हेबई
 - * शांक्सी कोल इम्पोर्ट एक्सपोर्ट ग्रुप कं.
 - * निंगसिया शिया चेंग इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन
 - * चीन नार्थ इंड. कारपोरेशन
 - * चीन नेशनल मिनरल इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन
- (XI) सम्बद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच के संबंध में सूचना दी गई जिसमें यह अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली को निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावासों को भेजी गई थीं।
- (XII) भारत में धातुकर्मीय कोक के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को भी एक प्रश्नावली भेजी गई जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी :
- * साउदर्न आयरन एण्ड स्टील कं., कोयम्बटूर
 - * भारत एल्यूमिनियम कं. लि., नई दिल्ली
 - * साथरचेरहना इस्पात लि., हैदराबाद
 - * किलोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज, पुणे
 - * यूनियमैटल इस्पात लि., सिकन्दराबाद
 - * मालिवका इस्पात लि., सुल्तानपुर
 - * असम कार्बन प्रोडक्ट्स लि., गुवाहाटी
 - * इंडो मत्सुशिता कम्पनी, मद्रास
 - * इंडो मत्सुशिता लि., सिकन्दराबाद
 - * लंका इंडस्ट्रीज लि., सिकन्दराबाद
 - * रामको इंडस्ट्रीज लि., राजपलायन
 - * टिस्को लि., बम्बई
 - * विश्वेश्वरा आयरन एण्ड स्टील, भद्रवती

- * यूनिमैटल एलॉय लि.
अनेक पार्टियों ने समय बढ़ाने के लिये अनुरोध किया जिसके लिए प्राधिकारी द्वारा दो सप्ताह का समय बढ़ाने की अनुमति दी गई। प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित पार्टियों ने दिया।
- * सेसा इंडस्ट्रीज लि., गोवा
- * विश्वेश्वराय आयरन एण्ड स्टील लि., भद्रवती
- * किलोस्कर पेरस इंडस्ट्रीज लि., कर्नाटक
- * सायबहारा इस्पात लि., हैदराबाद
- * ठवा इस्पात लि., नई दिल्ली
- * मालिका स्टील लि., सुल्तानपुर
- * यूनिमैटल इस्पात लि., सिकन्दराबाद
- * इलैक्ट्रो स्टील कास्टिंग लि., कलकत्ता
- * नागपुर एलायस कास्टिंग लि., नागपुर
- * ठवा मार्टिन इंडस्ट्रीज लि. कलकत्ता
- * साठर्न आयरन एण्ड स्टील कं. लि., कोयम्बटूर

(XIII) याचिकाकर्ताओं से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने प्रस्तुत कर दी थी।

(XIV) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के परिसरों में मौके पर जांच की।

(XV) प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गई पब्लिक फाईल के रूप में विभिन्न इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का गैर-गोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया जिसे इच्छुक पार्टियों के निरीक्षण के लिए रखा गया।

(XVI) संबंधित माल के उत्पादन की इष्टतम लागत, निर्माण लागत तथा भारत में उसकी बिक्री लागत का जायजा लेने के लिए लागत जांच भी की गई। यह जांच सामान्य स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों (जी ए ए पी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पर आधारित थी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम प्रतिपाटन शुल्क घरेलू हानि को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

(XVII) इस अधिसूचना में "*****" का आशय यह है कि इच्छुक पार्टियों द्वारा उक्त सूचना गोपनीय आधार पर तथा प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत विचार किए अनुसार प्रस्तुत की गई है।

(XVIII) यह जांच 1 अप्रैल, 1996 से 31 मार्च, 1997 तक की अवधि के लिए की गई थी।

ख. याचिकाकर्ता के विचार—

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में और तदनन्तर किए गए निवेदन में निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाये हैं।

- (I) धातुकर्मीय कोक की दो कोटियां भारत में उत्पादित की जाती हैं अर्थात् आयातित कोकिंग कोल से या भारतीय कोकिंग कोल से भारतीय मूल का कोयला आस्ट्रेलियाई मूल के कोयले की अपेक्षा अधिक धूसर है। भारतीय कोयला आस्ट्रेलियाई कोयले से सस्ता है और आयातित आस्ट्रेलियाई कोयले से निर्मित कोक की गुणात्मकता भारतीय मूल के कोयले से निर्मित कोक से उत्कृष्ट है।
- (II) भारतीय अर्थव्यवस्था में कोक की दोनों गुणात्मकताओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। घरेलू उद्योग की कोक की भारी मात्रा में जरूरत को भारतीय कोयले से निर्मित कोक से पूरा किया जाता है जब कि वे प्रयोक्ता जिन्हें सही गुणात्मकता की जरूरत रहती है, आयातित कोयले के कोक का प्रयोग करते हैं।
- (III) चीनी कोक पर पाटन रोधी शुल्क पूर्वव्यापित से चीनी कोक के पाटन मार्जिन के बराबर यथा शीघ्र लगाया जाए।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार—

3. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त विचार संक्षेप में इस प्रकार हैं :—

- (I) भारतीय विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित कोक में मिनी ब्लास्ट-भट्टी के प्रचालन के लिए अपेक्षित गुणात्मक विशेषताओं का अनुकूल सम्मिश्रण नहीं है, विशेषकर क्षमता, आकार और धारित के मामले में उनका कार्य-निष्पादन चीनी कोक के कार्य-निष्पादन से कम है, जो कोक की अधिक खपत का कारण बनता है, जिससे उत्पादन-लागत में वृद्धि होती है।

- (II) वर्तमान में कच्चे लोहे की विश्व में प्रचलित कीमतें 135 यूएस डालर से 145 एफ ओ बी के बीच हैं। कच्चे लोहे में कोक की लागत 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होने की वजह से कोक की सी आई एफ लागत 200 यू एस डालर मान लेना गलत होगा जब कि कच्चे लोहे की निर्यात कीमत अधिकतम केवल यूएस डालर 145 एफ ओ बी है। लौह और इस्पात उद्योग में स्थापित मिनि-ब्लास्ट भट्टियां पहले से ही बाजार की मंदी का सामना कर रही हैं और उन्हें प्रचलित बाजार कीमतों के साथ बराबरी करने में कठिनाई हो रही है। हालांकि बेहतर गुणात्मकता और बेहतर कीमतों पर चीनी स्रोतों से कोक प्राप्त किया जा रहा है। यदि उद्योग को भारतीय कोक की ही खरीददारी करनी पड़ेगी तो स्थिति और अधिक बिगड़ जाएगी जिससे अनेक इकाइयों को बंद करना पड़ सकता है।
- (III) कच्चे लोहे का विनिर्माण एक सतत प्रक्रिया उद्योग है और उसी रूप में बिना किसी रुकावट के संयंत्र निरन्तर रूप से चलाया जाना है। किसी भी अनियोजित अवरोध और रुकावट के कारण संयंत्र और मशीनरी, में क्षति क्षमता-अपकर्ष उत्पादन, क्षति और वित्तीय घाटे होते हैं। इसे सुनिश्चित करने और विशाल भण्डारण के अनुरक्षण के लिए मेटकोक भारी मात्रा में आयात किया जाता है क्योंकि यह घरेलू बाजार में भारी मात्रा में अपेक्षित विनिर्देशन के साथ उपलब्ध नहीं है। आयातित किया जा रहा कोक अच्छी क्वालिटी का है, और संयंत्रों की प्रौद्योगिकी अच्छी क्वालिटी के कोक की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। क्वालिटी मापदण्ड की कोई भी विकृति संयंत्र में क्षति पैदा करेगी और लक्षित उत्पादन की क्वालिटी में विकृति आएगी।
- (IV) उत्पादन में स्वयं घरेलू कोक को अकेले भी और साथ मिलाकर भी तैयार आजमाया गया है। परन्तु, ऐसे परीक्षणों ने असंतोष परिणाम दिए हैं। घरेलू कोक उद्योग ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से आयातित मेटकोक का स्थान लेने योग्य है। इसलिए इसमें आयातित कोक की विशिष्टता की कमी है और घरेलू उद्योग की गुणवत्ता के बारे में अनिश्चितता का वातावरण है।
- (V) याचिकाकर्ता ने कुछ निश्चित पूर्वानुमानों पर कोक के मूल्य का आंकलन किया है। परन्तु, पूर्वानुमान यथार्थपरक नहीं हैं और इसलिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई कोक की लागत गलत है। कोयले की लागत इस पूर्वानुमान पर अनुमानित की गई है कि चीन में कोयला आस्ट्रेलिया/न्यूजीलैण्ड से 71.50 यू.एस. डालर प्रति मी. टन की दर पर आयात किया जा रहा है। परन्तु चीन में आयातित कोयला चीन के कोक उत्पादन का 0.5% से भी कम पड़ता है। अतः चीन द्वारा आयातित कोयला नगण्य है और इस प्रकार चीनी कोक की कीमत जोड़ने के लिए आयातित कोयले की कीमत को लेना सर्वथा गलत है। यदि कोक की लागत सही तरीके से गिनी जाती है तो यह 205 यू.एस. डॉलर प्रति मी. टन के बजाय 67 यू. एस. डालर प्रति मी. टन आती है, जैसाकि याचिकाकर्ता ने दावा किया है।
- (VI) चीन से कोक के आयात में वृद्धि पाटन के कारण नहीं हुई है किन्तु, कच्चे लोहे के क्षेत्र में वृद्धि और तदनन्तर मेटकोक की मांग के कारण हुई है। घरेलू बाजार में उपयुक्त कोक उपलब्ध नहीं है और इसलिए इसका आयात किया जाता है।
- (VII) घरेलू कच्चा लौह उद्योग जो मेटकोक का उपभोक्ता है, संस्थापित क्षमता के 90% पर संचालन के होते हुए भी हार्नि उठा रहा है जबकि, याचिकाकर्ता केवल 46% संस्थापित क्षमता पर संचालन कर रहा है और फिर भी वह लाभ कमा रहा है। घरेलू मेटकोक उत्पादक अपने उत्पादों के लिए अधिक कीमतें वसूल रहे हैं।
- (VIII) कच्चा लौह उद्योग याचिकाकर्ता के संयंत्र से बहुत दूर अवस्थित है। यदि घरेलू बाजार से खरीदारी की जाय तो परिवहन-लागत 1200/- रु. प्रति मी. टन से अधिक बैठती है, जिसे कच्चा लौह उद्योग वहन नहीं कर सकता इसके अतिरिक्त, परिवहन खुद एक अड़चन है। चूंकि, कच्चा लौह उद्योग एक सतत उद्योग है, इसलिए समय पर स्टॉक की आपूर्ति नहीं होने के फलस्वरूप वित्तीय घाटे होंगे।
- (IX) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनकी उत्पादन क्षमता घरेलू उत्पादन की 25% है। इन गणनाओं के आधार पर देश में कुल संस्थापित क्षमता 4 लाख टन होगी जो भारत में कोक की वास्तविक भांग के नजदीक कहीं नहीं ठहरती। इस प्रकार कोक का आयात आवश्यक है।
- (X) याचिकाकर्ता द्वारा नियोजित प्रौद्योगिकी अप्रचलित है। इसलिए उनके द्वारा उत्पादित कोक की गुणवत्ता में सामंजस्य नहीं है और जब कच्चे लौह उद्योग से तुलना की गई तो वह घटिया और हल्की पाई गई।
- (XI) समस्या का समाधान पाटनरोधी शुल्क के स्थान पर सीमा-शुल्क की दोहरी दर लगाने में निहित है। कच्चे लौह उद्योग के लिए कोक के आयात की अनुमति 25% के शुल्क की रियायती दर पर होनी चाहिए जबकि दूसरों के लिए यह दर 80% की होनी चाहिए। शुल्क की ऐसी दोहरी दर वर्ष 1994-95 में प्रचलित थी। शुल्कों की अधिक दर के कारण (सीमा-शुल्क प्रणाली की दोहरी दर प्रणाली के अन्तर्गत) गैर-कच्चा लौह उद्योग सीमा-शुल्क की अधिक दर के कारण घरेलू कोक उद्योग से कोक लेने के लिए बाध्य होगा। इस तरह घरेलू कोक उत्पादकों को सहायता दी जा सकती है।
- (XII) "मेटालर्जिकल कोक" जैसा कोई पारिभाषिक शब्द नहीं है कोक को इस रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है :-
काली कोक भट्टी (ब्लैक फर्नेस कोक)
डलाई-कोक (फाउण्ड्री कोक)

गैस-निर्माण कोक

लौह-मिश्रधातु उद्योग के लिए कोक ।

कच्चा लौह उद्योग द्वारा अपेक्षित कोक ब्लैक फर्नेस कोक है, जो अच्छी गुणवत्ता वाला है और अपेक्षित मात्रा में देश में उपलब्ध नहीं है । घरेलू बाजार में कच्ची लौह उद्योग के लिए उपयुक्त ब्लास्ट फर्नेस कोक की वांछित गुणवत्ता और मात्रा की अनुपलब्धता के कारण आयात के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है ।

(XIII) घरेलू बाजार को कोई क्षति नहीं है क्योंकि उनके बाजार शेयर में गिरावट नहीं आई है । उनका उत्पादन नियमित रूप से हो रहा है या मामूली तौर पर सुधर रहा है ।

घ. उठाए गए मुद्दों की जाँच—

4. निर्यातकों आयातकों याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों से अनुरोधों की जाँच की गई है, उन पर विचार किया गया है और इस अधिसूचना में उपयुक्त जगहों पर उन पर विचार किया गया है ।

ङ. विचाराधीन उत्पाद—

5. वर्तमान जाँच के उद्देश्य से इस रिपोर्ट में जिस उत्पाद पर विचार किया गया है, वह मेटलर्जिकल कोक है (जिसे मेटकोक के रूप में भी उद्धृत किया गया है)

6. मे. टलर्जिकल कोक का उत्पादन आक्सीजन की अनुपस्थिति में, उच्चताप जोकि सामान्यता करीब 1000 डिग्री सेंटीग्रेड होता है, उस पर बिना कोयले को जलाए हुए मेटलर्जिकल (कोकिंग कोयला) के बिनाशक आसवन द्वारा होता है । उत्पादित मेटलर्जिकल कोक मुख्यतया कार्बन है जिसके साथ कुछ खनिज और अवशिष्ट अस्थिर पदार्थ होते हैं । मेटकोक का उपयोग उन उद्योगों में प्रमुख ईंधन के रूप में होता है जहां भट्टों या घन भट्टियों में एक समान और उच्च तापमान की जरूरत होती है ।

7. मेटलर्जिकल कोक को अध्याय 27 (उप-शीर्ष 27.04) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है किन्तु, सीमाशुल्क वर्गीकरण और यहाँ बताए गए उत्पाद का उपयोग केवल संकेतात्मक है और यह विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है ।

च. समान वस्तुएं—

8. नियम 2 (घ) में विशिष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि “समान वस्तु” का अर्थ ऐसी वस्तु से है जो कि जाँच के अधीन वस्तु के समान है या उससे मिलती-जुलती है, या ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में उस वस्तु से है जिसके गुण जाँच के अधीन वस्तु से काफी हद तक मिलते हैं । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मेटकोक को चीन से आयातित मेटकोक द्वारा वाणिज्यिक और तकनीकी दोनों रूप से स्थापना किया जा सकता है इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मेटकोक विचाराधीन उत्पाद अर्थात् चीन के उद्गम वाले या वहाँ से निर्यात किए गए मेटकोक के समान उत्पाद है ।

छ. घरेलू उद्योग—

9. यह याचिका मैसर्स बीएलए इण्डस्ट्रीज लि. बंबई द्वारा एक याचिकाकर्ता के रूप में दायर की गई है और मैसर्स इण्डस्ट्रीज एम कामर्स एसोशियेशन ने यह याचिकाकर्ता के रूप में इसका समर्थन किया है ।

10. मैसर्स सदर्न फ्यूल लि. कथित पाटित वस्तुओं का दूसरा भारतीय उत्पादक है जो इस याचिका का समर्थन कर रहा है ।

11. पिछले दो वर्षों में और चालू वर्ष में संबंधित वस्तुओं के निम्नांकित अन्य उत्पादक हैं ।

(1) वेलमैन इन्डोसेन्ट लि.

(2) उषा उद्योग लि.

उषा उद्योग लि. मालविका स्टील लि. के समूह की कम्पनी है जो कि चीन से मेटलर्जिकल कोक के आयातक हैं । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लि. अपनी आन्तरिक खपत के लिए मेटकोक का उत्पादन कर रहा है और अपनी नियंत्रित कम्पनी के जरिए आयातक भी है । टिस्को के साथ भी यही मामला है । इस प्रकार प्रतिपाटन कानून 1995 के नियम 2(ख) के अनुसार इन्हें घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना गया है ।

ज. पाटन—

12. धारा 9 के (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

(1) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो, जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो, या

- (2) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य वस्तु की बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;
- (क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल बाह्यनिर्यात किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

13. प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई धाराओं के अनुसार संबद्ध देशों के निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में निर्यातकों द्वारा किए गए दावे निम्नानुसार हैं :

14. निर्यातक—चाइना नेशनल कोल इण्डस्ट्री (इम्प/एक्स) कार्पो (1) निर्यातक—चाइना नेशनल कोल इण्डस्ट्री (इम्प) एक्स को निर्यातक ने कहा है कि उनके उत्पाद के लिए कोई घरेलू बाजार नहीं है और वे इस ग्रेड के मेट कोक का निर्यात तीसरे देशों को नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि वे अपने उपभोक्ताओं को कोई अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं कर रहे हैं और भुगतान सामान्यतः स्थान भुगतान शर्तों के अनुसार रह नहीं किए जा सकने वाले ऋण-पत्र के द्वारा किया जाता है। इस प्रकार कोई भी ब्याज लागत नहीं लगती है।

उन्होंने भारत में निर्यात कीमत में इनलैंड माल भाड़ा, रखरखाव शुल्क और लदान लागत की कीमत में समायोजन का दावा किया है। किन्तु कटौतियों के समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है।

उन्होंने यह दावा किया है कि चालू घरेलू कीमत यू.एस. डालर*** है (I) (निवल बीजक कीमत जिसमें 17% की बिक्री कर शामिल नहीं है)।

(II) निर्यातक—चाइना मेटलर्जिकल एम/एक्स, हेबई

यह कहा गया है कि उनकी निर्यात बिक्री व्यापारियों को की जाती है। उनकी घरेलू बिक्री ऐसे विनिर्माताओं को की जाती है जिन्होंने भारत को निर्यात कार्गो की आपूर्ति की विनिर्माता शीजियाजनांग देश है। उन्होंने यह भी कहा है कि वे इस ग्रेड के कोक की बिक्री अन्य देशों को नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने भारत को निर्यात कीमत में मूल्य समायोजन का दावा किया है। यह समायोजन का दावा छूट (बीजक में लगाए गए गुणवत्ता परिवर्तन के लिए दण्ड) कमीशन, इनलैंड मालभाड़े के कारण किया गया है।

उन्होंने घरेलू कीमत *** दर्शाई है जो यू.एस. डालर— के बराबर है उन्होंने कारखाना द्वार पर की गई बिक्री कीमत निकालने के लिए किसी छूट का दावा नहीं किया है क्योंकि उन्होंने कहा है कि

- (क) घरेलू उपभोक्ता फैक्टरी छूट पर ही सुपुर्दगी लेते हैं और आगे का सारा खर्च वह न करते हैं।
- (ख) सूची कीमत केवल आधार कीमत है। कर और अन्य खर्च अतिरिक्त हैं।

किन्तु दावा की गई छूट के बारे में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है।

- (III) निर्यातक—शांक्सी कोल इम्पोर्ट एक्सपोर्ट ग्रुप कारपो.

उन्होंने भारत को निर्यात कीमत में मूल्य समायोजन का दावा इनलैंड माल भाड़ा, भंडारण रखरखाव शुल्क, लदान लागत, एसजीएस निरीक्षण शुल्क और चीन से भारत तक समुद्री माल भाड़े के कारण किया है।

उन्होंने घरेलू कीमत दांचे का विस्तृत विवरण प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए उनकी निर्यात कीमत और घरेलू कीमत की तुलना नहीं की जा सकती।

छूट दावे के संबंध में कोई स्पष्ट प्रमाण/प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है।

- (IV) निर्यातक—निगिया जियाचेंग इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपो.,

उन्होंने कहा कि वे आस्ट्रेलिया से कोयले का आयात नहीं कर रहे हैं और उन्होंने किसी अन्य देश को मेटकोक का निर्यात नहीं किया है।

उन्होंने भारत को निर्यात कीमत में मूल्य समायोजन का दावा छूट (गुणवत्त परिवर्तन के कारण दण्ड) इनलैंड मालभाड़ा और लदान लागत के कारण किया है।

उन्होंने आगे कहा है कि घरेलू बिक्री उस विनिर्माताओं की है जो उन्हें भारत को निर्यात करने के लिए निर्यात कार्गो की आपूर्ति करता है। उक्त विनिर्माता तेजजीन है (दूसरी कोक योजना) उन्होंने चालू घरेलू कीमत *** यू एस डालर प्रति मी. टन दर्शाई है। किसी और शुल्क की कटौती नहीं की गई है क्योंकि उन्होंने दावा किया है कि उपभोक्ता द्वारा कोक की सुपुर्दगी फैक्टरी कीमत पर ली जाती है और कारखाना द्वारा पर की गई बिक्री कीमत पर कोई छूट देने की जरूरत नहीं है। उपर्युक्त को प्रमाणित करने के लिए कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(v) निर्यातक-चाइना नॉर्थ इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन

उन्होंने छूट, अन्तर्देशीय भाड़े, स्टोरेज, लोडिंग लागत, एस.जी.एस. जांच प्रभार और भारत की निर्यात कीमतों में समुद्री भाड़े के संबंध में कीमत समायोजन का दावा किया है।

उन्होंने चीन के भीतर घरेलू कीमत कांचा प्रस्तुत नहीं किया है।

(vi) निर्यातक-मैसर्स शंघाई पैसिफिक कैमिकल ग्रुप

उन्होंने संकेत दिया है कि वे अन्य देशों को कोक के इस ग्रेड की बिक्री नहीं करते हैं।

उन्होंने भारत की निर्यात कीमतों में स्टोरेज प्रभारों के बारे में कीमत समायोजन का दावा किया है।

यह भी बताया गया कि कीमतें कमीशन और समुद्री भाड़े का निचल हैं। इसके अतिरिक्त फैक्टरी पत्तन के निकट है इसलिए अन्तर्देशीय भाड़ा नहीं है।

उन्होंने बराबर घरेलू कीमत पर पहुंचने के लिए निम्नलिखित कीमत समायोजन का दावा किया है।

कीमत *
करों को घटाएं @*
के बराबर *

उन्होंने आगे बताया कि ग्राहक कारखाने से बाहर के आधार पर माल छुड़ाई लेते हैं और घरेलू बिक्री के मामले में पैकेजिंग, स्टोरेज और हैंडलिंग के कारण अलग से कोई व्यय नहीं होगा।

तथापि कोई साक्ष्य स्पष्ट साक्ष्य/ प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(vii) निर्यातक-चाइना नेशनल मिनरल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन

उन्होंने संकेत दिया है कि न तो उनकी न ही उनकी विनिर्माता मैसर्स गैंग यांग कोकिंग प्लांट की चीन के भीतर घरेलू बिक्री है। उन्होंने आगे संकेत दिया कि यद्यपि वे अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं लेकिन ऐसे देशों के नाम नहीं दर्शाए गए हैं। उन्होंने भारत की निर्यात कीमत में अन्तर्देशीय भाड़े, स्टोरेज (माल गोदाम), हैंडलिंग (मालगोदामों से बर्थ तक लोडिंग) और एस जी एस जांच प्रभारों के कारण कीमत समायोजन का दावा किया।

कटौतियों के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

उन्होंने बताया कि वे घरेलू बाजार में उत्पाद नहीं बेच रहे हैं और इसलिए कोई आंकड़े नहीं प्रस्तुत किए गए हैं।

चीन में प्रचलित निर्यात कीमत (कारखानागत स्तर पर) और घरेलू कीमत का सारांश जैसा कि ऊपर बताए गए निर्यातकों द्वारा उनके द्वारा दी गई प्रतिक्रिया में दावा किया गया है, निम्नानुसार है:—

निर्यातक का नाम	निर्यात कीमत	सामान्य मूल्य
	* * *	* * *

शंघाई पैसिफिक

चाइना नेशनल

चाइना मैटलर्जिकल आई एम/ई एक्स पी हेबई

शान जी कोल इम्पोर्ट एक्सपोर्ट ग्रुप कम्पनी

मिंगजिया एक्सीयाचैंग एम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन

चाइना नॉर्थ इन्ड कारपोरेशन

चाइना नेशनल मिनरल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन

15. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों के दावों की जाँच:—

निर्यातक द्वारा दी गई सूचना की जाँच करते समय प्राधिकारी ने पाया कि निर्यातक ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में पर्याप्त सूचना प्रस्तुत नहीं की है। ऐसा प्रतीत होता है कि वस्तुएं ठग निर्यातकों द्वारा बेची गई हैं जो वस्तुएं उत्पादित नहीं करते हैं। तथापि, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या किए गए दावे निर्यातक अथवा उत्पादकों से संबंधित हैं। निर्यात कीमत के संबंध में, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह वही कीमत है जिस पर वस्तुएं उत्पादकों द्वारा बेची गई हैं। डम्पिंग का निर्धारण करने के लिए उत्पादक के सामान्य मूल्य की तुलना निर्यातक की निर्यात कीमत से नहीं की जा सकती। इसलिए प्राधिकारी को उत्पादकों की निर्यात कीमत के निर्धारण से रोका गया है।

सामान्य मूल्य के संबंध में प्राधिकारी यह पाते हैं कि प्रस्तुत की गई सूचना काल्पनिक और अपर्याप्त है। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से यह स्पष्ट नहीं होता कि क्या यह उन्हीं उत्पादकों से सम्बंधित है अथवा स्वयं निर्यातक से संबंधित है। यद्यपि निर्यातक ने उत्पादन लागत संबंधी सूचना प्रस्तुत कर दी है, जो कि स्पष्ट रूप से उत्पादक से संबंधित है। तथापि, उत्पादकों द्वारा सूचना का कोई अनुमोदन अथवा प्रमाणीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया है। सामान्य रूप से, निर्यात कीमत और घरेलू कीमत में कीमत समायोजन के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसलिए प्राधिकारी दावे के अनुसार कटौती की अनुमति देने की स्थिति में नहीं है कटौतियों के समर्थन में जहां भी कुछ समर्थनकारी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, वे चीनी भाषा में हैं और उनके साथ अंग्रेजी अनुवाद सलग्न नहीं है। गणना को उचित ठहराने के लिए साक्ष्यों के अभाव में भारत को निर्यातों और घरेलू बिक्रियों के लिए कीमत ढाँचे के संबंध में कोई तर्कसंगत निष्कर्ष नहीं निकाला जा सका।

अपर्याप्त सूचना/साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, जैसा कि ऊपर बताया गया है, प्राधिकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए कीमत ढाँचे को स्वीकार नहीं कर सके हैं और उपर्युक्त निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को नजर अंदाज करने को बाध्य हैं।

16. तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार हैं:—

“डम्पिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण, दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी। अंतर में शामिल है, बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।”

17. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निर्यातकों, आयातकों तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को हिसाब में लिया। धारा के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने वाले सिद्धान्त का पहले ही पैराग्राफ 12 में भी विशेष रूप से उल्लेख कर दिया गया है।

जैसाकि उपर्युक्त पैरा 15 में भी बताया गया है, अपर्याप्त साक्ष्य के कारण, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य स्थापित नहीं किया जा सका। इसी प्रकार तृतीय देशों को ऐसी वस्तुओं के निर्यात के लिए कोई आवश्यक सूचना प्रस्तुत नहीं की गई। इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण धारा 9 क (i) (ग) (ii) ख के अनुसार किया गया है जहां सामान्य मूल्य का मतलब है।

“उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु को उत्पादन लागत, जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए;

18. तुलना से निम्नलिखित डम्पिंग मार्जिन दिखाई देता है।

निर्यात मूल्य के % के रूप में डम्पिंग मार्जिन

118.53

झ. क्षति:—

19. उपर नियम 11 अनुबंध-2 के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा। ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल हैं—डम्प किए गए आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव। कीमतों पर डम्प किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में डम्प किए गए आयातों द्वारा कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती।

20. ऊपर नियम 11 के तहत अनुबन्ध II (iii) में यह भी व्यवस्था की गई है कि यदि एक से अधिक देशों से होने वाले उत्पाद के आयात की प्रतिपादन जाँच होती है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित निर्धारित करने के बाद ही ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा। प्रत्येक देश में आयातों के संबंध में प्रमाणित डंपिंग का मार्जिन 2% से अधिक है जो निर्यात की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त है तथा प्रत्येक देश से होने वाले आयात की मात्रा समान वस्तुओं के आयात का 3% है या जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3% से कम है वहां संचयी आयात समान वस्तुओं के आयात का 7% से अधिक बैठता है; और आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित सामान तथा वैसे ही घरेलू सामान के बीच प्रतियोगिता की शर्तों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त है।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डंपिंग का मार्जिन तथा विषयाधीन देशों से होने वाले आयातों की मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है। आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि विषयाधीन देशों की निर्यात कीमत तथा याचिकाकर्ता कम्पनियों से आपूर्तियां भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों से सीधे प्रतियोगिता में है।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऊपर नियमों के अनुबन्ध II (iv) के अनुसार ऐसे सूचकों पर विचार किया है, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक लभप्रदता, कुल बिक्री आय, डंपिंग मात्रा तथा मार्जिन आदि।

21. पाटित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा :

सम्पूर्ण रूप से, पाटित चाइनीज कोक की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है। निम्नलिखित सारणी से यह प्रकट होता है।

वर्ष	टन
1992-93	87569
1993-94	79452
1994-95	562451
1995-96	964936
1996-97	741100

उपर्युक्त से यह माना गया है कि चीन से भारतीय बाजार में कोक का आयात 834% की वृद्धि दर्शाते हुए 93-94 में 79452 टन से 96-97 में 741100 टन हो गया है। हालांकि पिछले वर्ष से वर्ष 1996-97 में गिरावट आई है किन्तु प्राधिकारी ने यह माना है कि समूचे बाजार में भी गिरावट आई है।

22. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक संकेत

(क) निम्न तालिका पाटित चीनी मदों के प्रतिकूल घरेलू उत्पादकों के बाजार अंश का सार दर्शाती है :

वर्ष	96-97	95-96	94-95	93-94
भारत में मेट कोक का कुल विपणन (टन)	1724868	1890144	1319186	856538
घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादन (टन)	720295	712641	651121	680588
घरेलू उत्पादकों का बाजार अंश	41.76%	37.70%	49.36%	79.46%
चीन से आयात	741100	964936	562451	79452
चीन से आयात का बाजार अंश	42.97%	51.05%	42.64%	9.28%
चीन के अतिरिक्त अन्य देशों से आयात (टन)	263473	212567	105614	96498
अन्य देशों का बाजार अंश	15.27%	11.25%	8.05%	11.27%

अतः यह माना गया है कि घरेलू उद्योग का अंश 1993-94 में 79% से 1996-97 में 41% तक गिर गया है, जबकि चीनी कोक का बाजार अंश 1993-94 में 9.28% से 1996-97 में 43% तक बढ़ गया है। घरेलू उद्योग ने प्रतिवेदन दिया है कि कोक उद्योग इसके उत्पादन को बढ़ाने के लिए अवसर खोज रहा है तथा इसके बढ़ने तथा इसे अपने आपको स्थापित करने के अवसर प्रदान नहीं किए जा रहे हैं। तथापि, यह माना गया है कि चीन से आयात तथा बाजार अंश पिछले वितीय वर्ष 1995-96 की तुलना में वर्ष 1996-97 में गिर गए हैं जबकि सुकाव वर्षों से एक प्रमुख तथा निरन्तर वृद्धि दर्शाता है। यह भी ध्यान में रखा जा सकता है कि 1996-97 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में समूची मांग में भी गिरावट आई है।

78291/48-2.

(ख) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता :—यह देख गया है कि याचिकाकर्ता के कुल अंशदान में गिरावट है जो कि निम्नानुसार है :—

वर्ष	बिक्री की मूल्य लागत रुपए पी एम टी	बिक्री मूल्य रुपए पीएमटी	अंशदान
1	2	3	4
1994-95	* * *	* * *	* * *
1995-96	* * *	* * *	* * *
1996-97	* * *	* * *	* * *

यह भी पाया गया है कि जनवरी-97 की अंतिम तिमाही में, याचिकाकर्ता ने उसके बिक्री मूल्य * * * रुपये प्रति मी. टन तक घटा दिए हैं जबकि उत्पादन की लागत * * * रुपये है। अतः वे * * * रुपये प्रति मी. टन का घाटा उठा रहे हैं। यह भी पाया गया है कि उद्योगों के सदस्यों तथा वाणिज्य संघों (सहयाचिकाकर्ता) के मूल्य स्तर पाटन के कारण दबा दिए गए हैं।

(ग) अन्तिम स्टॉक में वृद्धि :—

घरेलू उद्योग में मेटकोक के अन्तिम स्टॉक में निम्नासार वृद्धि हुई है :—

वर्ष कोक का स्टॉक (टन)

1993-94	2226
1994-95	10047
1995-96	36666

अतः विषय वस्तु के अन्तिम स्टॉक में भारी वृद्धि हुई है।

(घ) घरेलू उद्योग क्षमता उपयोग :—

यह पाया गया है कि उद्योग की क्षमता उपयोग कम हो रही है जिसका सार निम्नानुसार है :—

वर्ष	क्षमता उपयोग
1993-94	61.11%
1994-95	51.45%
1995-96	51.83%
1996-97	46.83%

यह भी पाया गया है कि याचिकाकर्ता ने अप्रैल-97 से अपनी 1/3 क्षमता बंद कर दी है तथा कुछ एस एस आई उत्पादकों ने भी अपने संयंत्र बंद कर दिए हैं।

(ङ) श्रमिकों की कटौती-नियोजित लोगों की संख्या में कमी आई है तथा उद्योग ने श्रमिकों की कटौती शुरू कर दी है क्योंकि उनके उत्पादन का कुछ हिस्सा बंद हो गया है।

(23) क्षति पर निष्कर्ष :—

हालात चीन से मेटकोक के आयात से हुई क्षति पर विचार को न्यायोचित ठहराते हैं। जांच अवधि के दौरान विषय देश से मेटकोक के आयात निर्बाध रूप से बढ़ गए हैं। चीन से मेटकोक के आयात में घरेलू उद्योग को इसके मेटकोक के मूल्यों को गैर लाभकारी स्तरों पर रखने के लिए मजबूर किया है तथा घरेलू उद्योग को इसके उचित बिक्री मूल्य से ठहरने से रोका है जिससे लाभ में कमी हुई/घाटा हुआ घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न संकेतों जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, औसत बिक्री वसूली, स्टॉक, लाभ/घाटे में कमी विनिमयात्मक रूप से प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आर्थिक क्षति उठाई है। अतः यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग ने आर्थिक क्षति उठाई है।

24. कारणात्मक सम्बंध :—

यह प्रमाणित करने में कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति विषय देश से आयात के कारण हुई है, प्राधिकारी ने, विषय देशों से मेटकोक के निर्यात ने घरेलू उद्योग को इसके मूल्यों को गैर लाभप्रद स्तर पर रखने पर मजबूर करने तथा इसके उचित बिक्री मूल्य से उभरने को रोकने जिससे कि लाभ/घाटे में कमी आई पर विचार किया है।

25. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे :—

पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य यह है कि सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके, जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति कायम की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है।

26. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबंधित वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी विशेष रूप से तब जबकि लगाए जाने वाला पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक राशि तक ही सीमित कर दिया जाए। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से डम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा और घरेलू उद्योग की हानि को रोका जा सकेगा तथा धारित्वक कोक के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबंधित देशों को आयात किसी भी तरह से कम नहीं होंगे अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

27. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक प्रति-पाटन शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने भारत में धारित्वक कोक के उचित बिक्री मूल्य पर निर्भर किया है और इस संबंध में घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार किया है।

पहुंच कीमत :

28. चीन जनवादी गणराज्य से आयातों की पहुंच कीमत की निर्धारण-सीमा शुल्क के प्रचलित स्तरों तथा एक प्रतिशत उतराई शुल्क और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभारों को जोड़ने के बाद चीन जनवादी गणराज्य से मेट कोक की भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है।

निष्कर्ष :

29. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त बातों पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि :

- (क) चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित धारित्वक कोक का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत कर किया गया जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई ;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई ;
- (ग) यह क्षति कुल मिलाकर सम्बद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण हुई है।

30. यह आवश्यक समझा गया है कि जांच पूरी होने तक तब तक अंतिम रूप से निर्धारण नहीं हो जाता तब तक सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित होने वाले धारित्वक कोक के सभी आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

31. यह विचार किया गया कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए आयातों की पहुंच कीमतों की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई घरेलू उद्योगों की उचित बिक्री कीमत से की गई। जहां यह अंतर डंपिंग मार्जिन से कम था वहां डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। तदनुसार प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित धारित्वक कोक के सभी आयातों पर सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 27 के तहत 1800 रु. (एक हजार आठ सौ रुपये मात्र) प्रति मी. टन की दर से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

32. सम्बद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो इस पत्र के जारी होने की तिथि से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। अन्य कोई इच्छुक पार्टी भी इन जांच के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर विचार रख सकती है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE
NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th March, 1998

Subject: Anti-dumping Investigation concerning Imports of Metallurgical Coke from China – Preliminary Findings.

8/2/97-ADD: Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s BLA Industries Ltd. (referred to as BLA hereinafter) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Metallurgical Coke (also referred to as coke and metcoke) originating in or exported from China;
- ii. The application was supported by M/s Industries and Commerce Association, Dhanbad as co-petitioner (referred to ICA hereinafter);
- iii. Preliminary scrutiny of the application filed by BLA revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented;
- iv. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioners decided to initiate the investigations against imports of Metallurgical Coke from China. The Authority notified the Embassy of China about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- v. The Authority issued a public notice dated 28th August 1997 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping investigations concerning imports of Metallurgical Coke, classified under custom heading 27.04 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China (referred to as the subject country hereinafter);
- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);
- vii. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers of Metallurgical Coke in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- viii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Metallurgical Coke made in India during the past three years, including the period of investigation. No information was, however, received from CBEC;
- ix. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with rules 6(3) supra. A copy of the petition was also provided to other interested parties, wherever requested;
- x. The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);

- Shanghai Pacific Chemical (Group) Co. Ltd. (hereinafter referred to as Shanghai Pacific)
- China National Coal Industry Imp & Exp Corpn (hereinafter referred to as China National)
- China Iron & Steel Industry & Trade Group Corpn. (hereinafter referred to as China Iron)

A number of parties requested for extension of time, which was allowed by the Authority by two weeks.

The following exporters furnished information:

- Shanghai Pacific
- China National
- China Metallurgical IM/EXP Hebei
- Shan xi Coal Import Export Group Co.
- Ningxia Xiacheng Import and Export Corpn.
- China North Ind. Corpn.
- China National Mineral Import and Export Corpn.

xi. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers;

xii. A questionnaire was sent to the following known importers of Metallurgical Coke in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):

- Southern Iron and Steel Co., Coimbatore
- Bharat Aluminium Co. Ltd., New Delhi
- Satharverhana Ispat Ltd., Hyderabad
- Kirloskar Ferrous Industries, Pune
- Unimetal Ispat Ltd., Secunderabad
- Malvika Steel Ltd., Sultanpur
- Assam Carbon Products Ltd., Guwahati
- Indo Matsushita Carbon Co., Madras
- Indo Matsushita Ltd., Secunderabad
- Lanco Industries Ltd., Secunderabad
- Ramco Industries Ltd., Rajapalayam
- Tisco Ltd., Bombay
- Vishveswariah Iron and Steel - Bhadravati
- Unimetal Alloys Ltd.

A number of parties requested for extension of time, which also was allowed by the Authority by two weeks. Response to the questionnaire was filed by the following:

- Sesa Industries Ltd., Goa
- Visvesvaraya Iron and Steel Ltd., Bhadravati
- Kirloskar Ferrous Industries Ltd., Karnataka
- Sathavahara Ispat Ltd., Hyderabad
- Usha Ispat Ltd., New Delhi
- Malvika Steel Ltd., Sultanpur
- Unimetal Ispat Ltd., Secunderabad
- Electrosteel Casting Ltd., Calcutta
- Nagpur Alloys Casting Ltd., Nagpur
- Usha Martin Industries Ltd., Calcutta
- Southern Iron and Steel Co. Ltd., Coimbatore

xiii. Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished;

- xiv. The Authority conducted on-the-spot investigation at the premises of the petitioner;
- xv. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xvi. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioners so as to ascertain if anti-dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xvii. "****" in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xviii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1996 to 31st March, 1997

B Petitioners' Views

- 2. The Petitioner has raised the following major issues in its petition and subsequent submission.
 - (i) Two qualities of Metallurgical Coke are produced in India i.e. that from imported coking coal or from Indian coking coal. The coal of Indian origin has a higher ash content as compared to that of Australian origin. The Indian coal is cheaper than the Australian coal and the quality of the coke made from imported Australian coal is superior to that made from coal of Indian origin.
 - (ii) In the Indian economy both the qualities of coke have an important role to play. The high volumes of coke required by the domestic Industry is met by coke made from Indian coal while the users who have a stricter quality requirement use the coke from imported coal.
 - (iii) Anti Dumping duty on Chinese coke be imposed at the earliest equivalent to the margin of dumping of the Chinese coke with retrospective effect.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:

- 3. The views expressed by the exporters, importers and other interested parties are briefly as under:
 - (i) The coke being produced by Indian manufacturers do not have the optimal combination of quality characteristics required for mini blast furnace operations, in particular their performance on strength, size and ash content are lower than those of Chinese coke which would lead to incurring a higher coke consumption resulting in increased cost of production
 - (ii) Global prices prevailing for pig iron at present are in the range of US \$135 to 145 FOB. Cost of coke in pig iron not being more than 40%, it would be erroneous to assume the cif cost of US \$200 for coke when the export price of pig iron is only US\$145 FOB at the maximum. The mini blast furnaces set up in iron and steel industry are already facing depressed market condition and finding it difficult to match the prevailing market prices, even when coke is being procured from Chinese sources at better quality and better prices. If the Industry has to go for purchase of Indian coke, the situation will get further aggravated, which may lead to closure of many of the units.
 - (iii) Manufacturing of pig iron is a continuous process industry and as such the plant has to be operated continuously without any interruption. Any unplanned interruption and stoppage results in damage of plant and machinery, quality deterioration, production damage and financial losses. To ensure this and to maintain buffer stock, metcoke is imported in bulk since the same with required specification is not available in bulk in domestic market. The coal being imported is of high quality and the technology of plants are designed keeping in

view the availability of good quality coke. Any deterioration in quality parameter will create damage to plant and the quality of end product gets deteriorated.

- (iv) The domestic coke has been tried in production exclusively by itself and also as a mix with imported coke. However such trials has yielded in unsatisfactory results. The domestic coke industry has claimed that the product under consideration is technically and commercially substitutable to the imported metcoke. Therefore it lacks the specification of imported coke and there is an element of uncertainty as to quality of domestic coke.
- (v) The petitioner has estimated the value of coke on certain assumptions. However the assumptions are not realistic and therefore the cost of coke submitted by petitioner is incorrect. The cost of coal has been estimated on the assumption that the coal is being imported into china from Australia/Newzealand at the rate of US\$ 71.50 PMT. However the coal imported into China constitute less than 0.5% of the coke production of china. Thus, the coal imported by China is insignificant and, therefore, it is absolutely incorrect to take imported coal price for calculating the price of Chinese coke. If the cost of coke is correctly calculated, it comes out to be US\$ 67 PMT instead of US\$ 205PMT as claimed by petitioner
- (vi) The increase in import of coke from China is not due to dumping but due to growth of pig iron sector and consequently demand of metcoke. The suitable metcoke is not available in domestic market and therefore it is to be imported.
- (vii) The domestic pig iron industry who are consumers of metcoke are incurring losses even while operating at 90% of installed capacity whereas petitioner is operating only at 46% of installed capacity and still making profits. The domestic metcoke producers are charging higher prices for their products.
- (viii) The pig iron industry is located at far away places from the petitioner plant. The transportation cost is more than Rs 1200/- PMT if procured from domestic market which the pig iron industry cannot afford. Moreover the transportation itself is a bottleneck. Since pig iron industry is a continuous industry, any non-replenishment of stocks in time will result into financial losses.
- (ix) The petitioner has claimed that their production capacity is 25% of the domestic production. On the basis of these calculations, the entire installed capacity in the country would be 4 lac tonnes which is no where near to the actual demand of coke in India. As such the import of coke is a must.
- (x) The technology employed by the petitioner is outdated. Therefore the quality of coke produced by them do not have consistency and is sub-standard and inferior when compared to the requirement of pig iron industry.
- (xi) The solution to the problem lies in imposing dual rate of custom duty instead of Anti-dumping duty. The import of coke to pig iron industry should be allowed at a concessional rate of duty @ 25% while to others it should be @ 80%. Such dual rate of duty were prevailing in 1994-95. Due to higher rate of duties (under dual rate of custom duty system), the non-pig iron industry will be compelled to procure the coal from domestic coke industry due to higher rate of custom duty. In this way the domestic coke producers can be supported.
- (xii) There is no technical term as "Metallurgical Coke",. The coke can be classified as

Black Furnace Coke

Foundry coke

Coke for gas making

Coke for ferro alloy industry.

The coke required by pig iron industry is Black furnace coke which is of higher quality and not available indigenously in the required quantity. Due to non-availability of desired quality and quantity of Blast furnace coke suitable for pig iron industry in domestic market, there is no alternative but to import.

- (xiii) There is no injury to the domestic Market as their market share has not gone down. Their output has been steady or slightly improving.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

4. The submissions made by the exporters, importers, petitioners and other interested parties have been examined, considered and have been dealt at appropriate places in this notification.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

5. The product considered in this report for the purpose of the present investigation is Metallurgical Coke (also referred to as metcoke).
6. Metallurgical Coke is produced by destructive distillation of Metallurgical (coking coal) in the absence of oxygen at high temperature generally ranging around 1000 degrees centigrade without burning the coal. The Metallurgical Coke produced is mainly carbon alongwith some mineral and residual volatile material. The metcoke is used as a primary fuel in industries where a uniform and high temperature is required in kilns or furnaces.
7. Metallurgical Coke is classified under the chapter 27 (under sub-heading 27.04). The custom classification, manufacturing process and usage of the product indicated herein are, however, indicative only and are in no way binding on the scope of the product under consideration.

F. LIKE ARTICLES

8. Rule 2(d) specifies that "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation, or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under investigation. The metcoke produced by the domestic industry are substitutable by the metcoke imported from China – both commercially and technically. Therefore the metcoke produced by the domestic industry is a like article to the product under consideration i.e metcoke exported to India originating in or exported from China.

G. DOMESTIC INDUSTRY

9. Petitions have been filed by M/s BLA Industries Ltd., Bombay as a petitioner and is supported by M/s. Industries & Commerce Association as co-petitioner.
10. M/s. Southern Fuel Ltd is another Indian producer of the alleged dumped goods supporting this petition.
11. There are following other producers of the subject goods in the last two years and the current year.
- i) Wellman Incandescent Ltd.,
 - ii) Usha Udyog Ltd.,

Usha Udyog Ltd. is a group concern of Malvika Steel Ltd., who are importers of Metallurgical Coke from China. The Authority notes that the Steel Authority of India Ltd. is producing metcoke for captive consumption and is also an importer through its subsidiary company. The same is the case with TISCO. Therefore they are deemed not to form a part of domestic industry as per rule 2(b) of Anti Dumping Rules 1995.

H. DUMPING

12. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

13. The Authority sent questionnaires to the exporters from the subject countries in terms of the section cited above. The claims made by the exporters with regard to normal value and export price are as under:

14. (i) Exporter-China National Coal Industry(Imp/Exp) Corpn.

The exporter has stated that there is no domestic market for their product and they are not exporting this grade of metcoke to third countries. They have also indicated that they are not providing any other financial assistance to their customers and the payments are usually by an irrevocable letter of credit on sight payment terms. Hence no interest cost is incurred.

They have claimed the price adjustments on account of inland freight & handling charges and loading cost in the export price to India.

However no evidence in support of deductions has been furnished. They have claimed that prevailing domestic price is US\$ *** (net invoice price excluding sales tax of 17%).

(ii) Exporter-China Metallurgical Im/Ex Hebai

It has been stated that their export sales are to traders. Their domestic sale are of manufacturer who supplied the export cargo to India. The manufacturer is Shilizhazhang. They have also stated that they are not selling this grade of coke to other countries.

They have claimed the price adjustment on account of discount(penalty for quality deviation effected in invoice), commission, inland freight and handling charges in the export price to India.

They have shown the domestic price as *** (equivalent to US\$ ***. They have not claimed any deduction to arrive at the ex-factory price as they have stated that :

- (a) Domestic customer take delivery at the factory gate and bear all further expenses.
- (b) List price is only base price. Taxes and other additions are extra.

However no evidence has been submitted in respect of deductions claimed.

(iii) Exporter – Shanxi Coal Import Export Group Corpn.

They have claimed the price adjustments on account of freight, storage, handling charges, loading costs, SGS inspection charges and ocean freight from China to India in the export price to India.

They have not submitted the details of domestic price structure. Hence their export price and domestic price cannot be compared

No clear evidence/evidence in respect of deduction claims have been submitted.

(iv) Exporter – Ningxia Xiacheng Import & Export Corpn.

They have stated that they are not importing coal from Australia and also not exported metcoke to any other country.

They have claimed the price adjustments on account of discount (penalty for quality deviation), inland freight and loading cost in the export price to India

They have further stated that the domestic sales are of manufacturer who supplies the export cargo to them for exports to India. The manufacturer is Tenxjin (second coke Plant). They have shown the prevailing domestic price as US\$ ***PMT. No further charge has been deducted as they have claimed that delivery of coke is taken by the customer at the factory price and therefore no deduction is required to be made at the ex-factory price. No evidence has been submitted to substantiate the above.

(v) Exporter – China North Industrial Corpn.

They have claimed the price adjustments on account of discount, inland freight, storage, loading costs, SGS inspection charges and ocean freight in the export price to India.

They have not submitted the domestic price structure within China.

(vi) Exporter – M/s Shanghai Pacific Chemical Group

They have indicated that they do not sell this grade of coke to other countries. They have claimed price adjustment on account of storage charges in the export price to India.

It is also stated that prices are net of commission and ocean freight. Moreover the factory is near the port and therefore there is no inland freight.

They have claimed the following price adjustment to arrive at the equivalent domestic price

Less Price ***
Less Taxes @ ***
equivalent to ***

They have further indicated that customer taken the delivery on ex-factory basis and no expenditure is incurred separately on account of packing, storage and handling in the case of domestic sales.

However no evidence/clear evidence has been submitted.

(vii) Exporter- China National Mineral Import & Export Corpn.

They have indicated that neither they nor their manufacturer M/s Gang yang Coking plant have domestic sales within China. They have further indicated that though they are exporting to other countries but names of such countries are not indicated. They have claimed the price adjustment on account of inland freight, storage (warehouse), handling (loading from warehouse to berth) and SGS inspection charges in the export price to India.

No evidence in support of deduction has been submitted

They have stated that they are not selling the product in domestic market and hence no data has been submitted.

The summary of export price (at ex-factory level) and domestic price prevailing in China as claimed by the above mentioned exporters in their responses are as under

Name of the exporter	Export Price ***	Normal value ***
Shanghai Pacific		
China National		
China Metallurgical IM/EXP Hebai		
Shan xi Coal Import Export Group Co.		
Ningxia Xiacheng Import and Export Corpn.		
China North Ind. Corpn.		
China National Mineral Import and Export Corpn.		

15. Examination of the claims of the exporters by the Authority:

The Authority while examining the information submitted by the exporters observes that the exporters have not furnished adequate information on normal value and export price. It appears that the goods have been sold by the exporters who do not produce the goods. However, it is not clear whether the claims made pertain to the exporters or to the producers. With regard to the export price, it is not clear whether the same is the price at which goods have been sold by the producers. For determination of dumping, the normal value of the producers cannot be compared with the export price of the exporter. The Authority is thus prevented from determination of export price of the producers.

With regard to normal value, the Authority observes that the information furnished is sketchy and insufficient. It is not clear from the information furnished by the exporters whether the same pertains to some producers or to the exporter themselves. The exporters have even furnished information on cost of production, which apparently pertains to the producers. However, no authorisation or authentication of the information has been furnished by the producers. In general, no evidence have been submitted in support of price adjustments in export price and domestic price. Therefore, the Authority is not in a position to allow the deduction as claimed. Wherever few supporting documents in support of deductions are submitted, they are in Chinese language and are not accompanied with an English translation. In the absence of evidence to justify the calculation, no logical conclusion about the price structure for exports to India and in the domestic sales could be drawn.

In view of insufficient information/evidence, as detailed above, the Authority could not accept the price structure as submitted by the exporters and is constrained to ignore the data submitted by the aforesaid exporters.

16. The rules relating to comparison provides as follows:

" While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparatively, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

17. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the authority took into account the information furnished by the exporter, importers, and petitioners. The principles of deciding the normal value in relation to article has already been specified in paragraph 12 also.

As also stated in paragraph 15 above, due to insufficient evidence, the normal price could not be established on the basis of information supplied by exporter. Similarly no relevant information has been submitted for export of such goods to third countries. Therefore, the normal value has been determined as per Sec 9A (i))(c) (ii) b whereby the normal value means.

"The cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative selling and general cost and for profits as determined in accordance with the rules made under the Section 6"

18. The comparison shows the following normal value, export price and dumping margin.

Dumping margin as a % of Export Price: 118.53

I Injury

19. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

20. Annexure II(iii) under rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

21. Volume and market share of dumped imports.

The volume of dumped Chinese coke in absolute terms has increased rapidly. The following tables will illustrate this.

Year	Tonnes
1992-93	87569
93-94	79452
94-95	562451
95-96	964936
96-97	741100

From the above it is observed that the import of Chinese coke into Indian market has increased from 79452 tonnes in 93-94 to 741100 tonnes in 96-97, showing an increase of 834%. Even

though there is a decline in the year 1996- 97 over the previous year, the Authority observed that there is a decline in the overall market also.

22 Economic indications affecting domestic industry.

- (a) The following table gives a summary of market share of domestic producers as against that of dumped Chinese goods:

Year	96-97	95-96	94-95	93-94
Total market of met coke in India (tonnes)	1724868	1890144	1319186	856538
Production by domestic producer (tonnes)	720295	712641	651121	680588
Market share of domestic producer	41.76%	37.70%	49.36%	79.46%
Imports from China	741100	964936	562451	79452
Market share of imports from China	42.97%	51.05%	42.64%	9.28%
Imports from countries other than China (Tonnes)	263473	212567	105614	96498
Market share of other countries	15.27%	11.25%	8.05%	11.27%

Thus it is observed that the share of domestic industry has decreased from 79% in 1993-94 to 41% in 1996-97, whereas the market share of Chinese coke has increased from 9.28% in 1993-94 to 43% in 1996-97. The domestic industry has represented that coke industry is missing the opportunities to increase its production and is not being allowed the opportunity to grow and further establish itself. However, it is observed that the market share as well as imports from China have declined during 1996-97 over the previous financial year 1995-96, the trend over the years show a significant and continuous increase. It may also be noted that during 1996-97, the overall demand also declined over the previous year.

- (b) Profitability of Domestic Industry:

It is observed that there is a decline in gross contributions of petitioner which is as under.

Year	cost of sales Rs. PMT	Selling price Rs.PMT	Contribution
1994-95	***	***	***
1995-96	***	***	***
1996-97	***	***	***

It is also observed that in last quarter Jan-97, the petitioner has reduced their selling price to Rs.*** PMT whereas the cost of production is Rs.***. Thus they are incurring a loss of Rs *** PMT. It is also observed that the price level of the members of Industries and Commerce Association (co-petitioner) has been suppressed due to dumping.

- (c) Increase in closing stock

There is a increase in closing stock of metcoke in the domestic industry as under:-

Year Stock of coke(Tonnes)

1993-94	2226
1994-95	10047
1995-96	36666

Thus there is substantial increase in closing stock of subject goods.

(d) Domestic Industry capacity utilization:

It is observed that the capacity utilization of the industry is declining which is summarised as under.

Year	Capacity utilisation
1993-94	61.11%
1994-95	51.45%
1995-96	51.83%
1996-97	46.83%

It is also observed that petitioner has shut down its 1/3 capacity with effect from April 97 and some SSI producers have also shut down their plants.

(e) Retrenchment of workers – There is a decrease in the number of people employed and industry has started retrenching workers as part of their production capacity is shut down.

23. Conclusion on injury

The circumstances warrant consideration of injury for imports of Metallurgical coke from China. The import of metcoke has increased in absolute terms from the subject country during the period of investigation.

Export of metcoke from China forced the domestic industry to keep its price of metcoke to unremunerative levels and prevented the domestic industry from recovering its fair selling price resulting in decrease in profit/losses.

Various indicators relating to domestic industry such as production capacity utilisation, average sales realisation, stock decline in profit/losses cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

It is thus seen that the domestic industry has suffered material injury.

24. CASUAL LINK

In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject country, the authority has considered that exports of met Coke from the subject countries forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels, and prevented it to recover its fair price, resulting in decrease in profit/losses.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

25. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

26. It is recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of metallurgical coke. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

27. To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of met-coke in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the domestic industry.

LANDED VALUE:

28. The landed value of imports from China PR have been determined on the basis of weighted average export price of metcoke from China PR, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

CONCLUSIONS:

29. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:
- Metallurgical coke originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value, resulting in dumping,
 - The Indian industry has suffered material injury
 - The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.
30. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of metallurgical coke originating in or exported from the subject country, pending investigations.
31. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. Landed prices of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties @ Rs. 1800 (Rs. One Thousand Eight Hundred only) per MT be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of metallurgical coke originating in or exported from China PR falling under Chapter 27 of the Customs Tariff, pending final determination.
32. Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

